सभी अधीनस्थ कार्यालय

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस एक नवम्बर 2011 के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी के संदेश का मूल पाठ भेजा जा रहा है।

प्रत्येक जिले को एक सौ प्रतियों के हिसाब से संदेश की प्रतियां आज रात तक उपलब्ध करा दी जायेंगी। कृपया कर अपने कार्यालय के एक कर्मचारी को संदेश की कॉपियां प्राप्त करने के लिए जनसम्पर्क संचालनालय भोपाल भेजने का कष्ट करें।

भोपाल	सुरेश आवतरामानी
30.10.2011	अपर संचालक, प्रकाशन

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस दिनांक 1 नवम्बर, 2011 के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी का संदेश

बहनों एवं भाइयों,

मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर प्रदेश के समस्त नागरिकों को मेरी हार्दिक बधाइयाँ, देश की आजादी के पाँच दशकों के बाद हमारे प्रदेश को विकास की दौड़ में अग्रिम पंक्ति में देख, मेरा मन गर्व से प्रफुल्लित हो रहा है। वर्तमान पंचवर्षीय योजना जो मार्च 2012 में समाप्त हो रही है उसमें प्रदेश की विकास दर 10 प्रतिशत से अधिक रहने की उपलब्धि हासिल हो रही है। यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं बल्कि पूरे प्रदेश की 7 करोड़ जनता की है। आज मैं प्रदेशवासियों को सदैव आगे बढ़ने की लगन और इस दिशा में किये जा रहे अथक परिश्रम के लिए हृदय से प्रणाम करता हूँ।

हमारी संस्कृति की भावना है- ''जननी जन्म भूमिश्च, स्वर्गादपि गरियसी'' अर्थात् माँ एवं जन्मभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर है, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि हम सभी ने मिलकर अपनी जन्मभूमि

हेतु इसी भावना से अपना योगदान दिया तो कोई भी शक्ति हमें सर्वाधिक विकसित प्रदेश की श्रेणी में आने से नहीं रोक सकती। मध्यप्रदेश, विभिन्न संस्कृतियों का अद्‌भुत संगम है जहां बोलियों एवं क्षेत्र की विविधता होते हुये भी अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाने का ज़ज्बा है, और यही हमारी प्राणवायु है। ''आओ बनायें अपना मध्यप्रदेश'' अभियान इसी भावना की अभिव्यक्ति है।

प्रदेश की बढ़ती विकास दर में कृषि, उद्योग तथा सेवा तीनों क्षेत्रों में लक्ष्य से अधिक उपलब्धि का योगदान रहा है। अगली पंचवर्षीय योजना में हमारा लक्ष्य 12 फीसदी विकास दर हासिल करने का है। कृषि के क्षेत्र में राष्ट्रीय वृद्धि दर से भी अधिक तेजी से वृद्धि होना निस्संदेह प्रदेश के किसानों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। इस वर्ष 50 लाख टन गेहूं उपार्जन कर मध्यप्रदेश ने पंजाब और हरियाणा के बाद देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। सरकार ने भी कृषि संबंधित विषयों पर तुरंत और प्रभावी निर्णय लेने के लिये ''कृषि कैबिनेट'' का गठन किया है।

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि लोगों के प्रति सरकार की जवाबदेही तय करने वाला मध्यप्रदेश का ''लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम'' अब पूरे देश के लिये मिसाल बन चुका है, लेकिन इस अधिनियम का सफल क्रियान्वयन आप के हाथ में है। प्रारंभ में यह

योजना 26 सेवाओं के साथ शुरू हुई थी। अभी पं. दीनदयाल उपाध्याय के जन्म दिवस 25 सितम्बर से इसमें 26 और सेवाओं को जोड़ा गया है। प्रदेश में इसके लिये अलग से लोक सेवा प्रबंधन विभाग का गठन किया गया है। यह सुखद संयोग कहा जा सकता है कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की चिंता सबसे पहले करने की बात कहने वाले पं. उपाध्याय ने एकात्म मानववाद की अवधारणा को सबसे पहले मध्यप्रदेश में ही प्रकट किया था। मेरा सपना तो तब पूरा होगा जब सुदूर ग्रामीण अंचल में रहने वाला और समाज की अंतिम पंक्ति में खड़ा नागरिक ''लोक सेवा गारंटी'' में अपना हक पाकर मुस्करायेगा।

जब हम अधिकारों की बात करते हैं, तो अपने कर्त्तव्यों के बारे में जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। जहां एक ओर तेजी से हो रहे विकास में हम ऊर्जा ग्रहण करें, तो वहीं दूसरी ओर अशिक्षा, कुपोषण, अस्वच्छता और समाज में बेटियों की उपेक्षा के दाग को जड़ से मिटाने का संकल्प भी लें, मैं मानता हूं कि प्रदेश में ऐसी गंभीर समस्याओं से पूर्ण मुक्ति पाये बगैर विकास का सपना अधूरा रह जायेगा। प्रदेश के सभी बेटी, बेटा स्कूल जायें, प्रत्येक शिशु कुपोषण से मुक्त हो, प्रदेश में कहीं भी खुले में शौच की कुप्रथा नहीं रहे, तभी हम गर्व से विकसित प्रदेश के नागरिक होने का दावा कर

सकते हैं। इसी के साथ हम सबको अपने गांव और शहरों में पानी का अपव्यय रोकना होगा, बिजली बचाना होगी और सघन वृक्षारोपण कर प्रदेश को हरा-भरा बनाना होगा।

प्रदेश में स्त्री-पुरुष के घटते लिंगानुपात और बेटियों के प्रति असहिष्णुता ने हमें झकझोर कर रख दिया है। ''बेटी है तो कल है''- यह महज एक नारा नहीं, बल्कि हमारे प्रदेश में हो रही सामाजिक क्रांति का सूत्रपात है। ''बेटी बचाओ अभियान'' के माध्यम से पूरे समाज को जोड़ने के इस पवित्र प्रयास में आप सभी की महत्वपूर्ण भूमिका है। नवरात्रि के शुभ पर्व से प्रारंभ इस अभियान को सफल बनाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह एक सतत चलने वाला यज्ञ है, जिसकी पूर्णाहुति बेटियों को उनका पूर्ण अधिकार दिला कर ही होगी। आइये, हम सब मिलकर विकसित और समृद्ध मध्यप्रदेश के लिये अपने सर्वश्रेष्ठ योगदान का संकल्प लें। लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब सब मिलकर एक साथ काम करेंगे।

एक बार पुनः ''बेटी बचाओ अभियान'' से जुड़ने के आव्हान के साथ मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनायें।

जय मध्यप्रदेश, जय हिंद।